मिशनरी निंदकों के लिए निंदा क्या है?
टॉनिक

ईर्ष्यालु के निंदा के बारे में क्या कहा है?
निंदा अकाल दुर्गुण

लेखक के अनुसार आदतन दुष्ट कौन निंदक है?
मिशनवादी

औगुन कूड़ी इलाज किसने कहा है?
संतों ने

सबसे दयनीय निंदक कौन होते हैं/
ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित

कुछ लोगों के लिए निंदा किसकी तरह होती है।
पूँजी

1) लेखक परिचय
2) रचनाएँ
3) सारांश – (क) आरंभ (ख) मध्य (ग) अंत
4) विशेषताएँ

लेखक परिचय –

परसाई जी का जन्म 1924 को मध्य प्रदेश में हुआ। अध्यापन कार्य को इन्होंने जीवन का साधन बनाया। पत्रिका 'वसुधा' का संपादन भी किया। हिंदी साहित्य में व्यंग्य नाम से एक नई विधा दी।

Scanned by CamScanner

3

वाणिज्य और विज्ञापन _ ~~महादेवीवर्मा~~

1. वाणिज्य और विज्ञापन पाठ के निबंधकार कौन हैं?
गुलाबराय

2. वाणिज्य और विज्ञापन किस पुस्तक से लिया गया है?
मेरे निबन्ध : जीवन और जगत

3. बंगाली कौन सा चूर्ण खाते हैं?
अमलबेंत का

4. बादाम का मजा किसमें है?
~~मुम्फली~~ मुंगफली

5. नारद की तुलना किससे कि गई है।
समाचार पत्रों से

6. विज्ञापन क्या है।
कला

7. विज्ञापन से किसका निर्माण होता है।
चक्रव्यूह

8. पहले किसी पहले कौन से दवाइयों के विज्ञापन निकलते थे।
चीनी

9. दस ठगों के कहने से भेड़ क्या बन जाता है।
कुत्ता

Scanned by CamScanner

11. रिक्कू का मामा बकसा लेने कहाँ आगया ?

कानपुर

12. चलने से पहले श्री किसको टिका लगाना चाहते है।

राजू

13. मोटर और गाड़ी कहा अटक गई

फैजाबाद

14. धक्का लगाने में किसे रखा गया

दूधवाला

15 विलायती गाड़ी के पेट्रोल में क्या मिला है

पानी

16. पुरुष के अनुसार सड़क पर क्या क्या दिए गए।

पहाड़

Scanned by CamScanner

प्रयोग है।

5) युवा पीढ़ी के लिए इस कहानी में भावनात्मक संदेश है।

6) यह एक संवेदनशील कहानी है।

Scanned by CamScanner

आवेदन पत्र

परिभाषा

नौकरी पाने के उद्देश्य से जो पत्र लिखे जाते हैं वे आवेदन पत्र कहलाते हैं। इन्हें लिखते समय आवेदन कर्ता को अपनी योग्यता, आयु, अनुभव आदि का अच्छे से विवरण देना चाहिए। आगे यह भी लिख देना चाहिए कि उसे कितना वेतन की अपेक्षा है।

Scanned by CamScanner

(2)

सेवा — ममता कालिया — बातचीत रहित

1. सेवा कहानी की कहानीकार कौन है?
   ममता कालिया

2. छोटे शहर किसे कहा गया है?
   नैनी और हल्द्वानी

3. नरोत्तम सहाय के बेटे का नाम क्या है?
   विस्मय

4. सहाय जी की डायरी किससे भर उठी।
   फ़ोन नम्बरों से

5. नरोत्तम जी ने पड़ोसियों से क्या खिलवाने की इच्छा ~~सवाल~~ जताई?
   मीठा ~~व~~ दलिया

6. पत्नी ~~व~~ बेहोशी में क्या पुकारती थी।
   विस्मय

7. पालतू कुत्ते का नाम क्या था?
   मोटी

8. पत्नी के चलते कौन लिए था।
   ड्राइवर

9. विस्मय कहाँ गया था?
   जापान

Scanned by CamScanner

6

साना साना हाथ जोड़ि

1. लेखक का क्या नाम है।
मधु कांकरिया

2. इस पाठ में किस शहर का ~~नाम~~ वर्णन किया है?
गैंगटॉक

3. गैंगटॉक को वास्तव में क्या कहा जाता है।
गंतोक

4. गंतोक शब्द का अर्थ क्या है।
पहाड़

5. गाइड के अनुसार कौन सा स्थान टूरिस्ट स्पॉट नहीं था?
यूमथांग

6. किनके प्रयासों के कारण यूमथांग को टूरिज्म के लायक बनाया ~~जा~~ जा रहा है।
कप्तान शेखर दत्ता

7. किस स्थान में ~~देवी~~ देवी देवताओं का निवास माना जाता है।
खेदुम

8. चावल की खेती के लिए किनकी धार्मी से गीरे चावल मुख्य कारण है।
गुरुनानक

9. गैंगटॉक शहर से कितनी दूरी पर यूमथांग था?

Scanned by CamScanner

5

मौत एक कुत्ते की

1. लेखक कौन ?
   डा॰ विपिन कुमार अग्रवाल

2. बोतल में पानी भरने के लिए कौन जाता है।
   राजू

3. पुरुष के घर का नौकर कौन है,
   रामकृपाल

4. रामकृपाल किस चीज के ला रहा है?
   टिन का बक्सा

5. बक्से में किसने सामान भरा हुआ है
   बच्चु ने

6. दूध में पानी कौन मिलाता है।
   दूधवाला

7. सच बोलना किसकी महुलियत है।
   बड़ों की

8. सीटी कौन बजाता है!
   दूधवाला

9. दुनिया किससे दूध कर चलती है,
   औरत

10. अपने साथ स्त्री किसका बक्सा ले जाना चाहती है,
   [illegible] के मामा का

Scanned by CamScanner

२०. लायुंग से कटाओ कितनी ऊँचाई पे था
५०० फीट

२१. जितेन ने किसकी सुन्दरता का वर्णन किया था,
हिम.

२२ गंतोक में कहाँ जाकर क्या रोमांचक होता है,
गंतोक का शहर

२३ पहाड़ी औरतों की तुलना किससे कि है।
पलामू और गुमला

२४. ~~मधु कैंसर~~

लेखिका परिचय

मधु कांकरिया का जन्म 1957 में हुआ। कोलकता विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करके लेखिका के रूप में आप आज भी हिन्दी साहित्य में अपना योगदान दे रही हैं।

रचनाएं।

1) पत्ताखोर
2) कुल गगन के लाल सितारे
3) सलाम आखिरी

सारांश
(सारांश)

इस पाठ में लेखिका ने गैंगटॉक शहर का वर्णन किया है। रात के समय पहाड़ी से

Scanned by CamScanner

21. रेल की आने की खबर कौन देता था
कुत्ता

22. कुत्ते का नाम क्या था
मोती

23. मोटर के पीछे कौन लेटा है
शन्नु

24. शन्नु बड़ा हो कर क्या बनना चाहता है,
इंजन

25. सत्ती के कितने थिएटर फिल्म
छ डेढ़

26. सत्ती और शन्नु कहाँ जा रहे थे
आगरा

27. नारायण जी किसे ढूंढ रहे थे।
जीतू

28. जीतू कहाँ पढ़ता है।
विश्वविद्यालय

29. जीतू की अनुशासन कौन मर गया
मोती

30. किसके खिलाफ जिहाद बोलना चाहिए।
नकल के खिलाफ

31. मोती मरा कहाँ
सुनार बस्ती के फाटक के पास

Scanned by CamScanner

ऐसे वातावरण में कई आदिम के विचार मन में आना स्वाभाविक था।

(अंत)

कटाओ से वापिस आना यात्रा को कुछ फीका सा बना रहा था। तब लेखिका को एहसास हुआ कि मंजिल पर पहुंचने से अधिक आकर्षक और रोमांचक मंजिल तक का सफर होता है। चावलों की खेती के लिए गुरुनानक की कथा और खेतों में देवी देवताओं के निवास की कहानी यह बताती है कि भारत में कहीं भी जाए लोगों के विश्वास लगभग एक ही है। जितेन नार्गे इन्हें बताते हैं कि शहर का असली नाम गंतोक है। जिसका अर्थ होता है पहाड़। यूमथांग पहले टूरिस्ट स्थान नहीं था लेकिन कप्तान शेखर दत्ता के प्रयास से काफी बदलाव आया है और प्रयास आज भी जारी है।

विशेषताएँ)

1) इस पाठ को यात्रा वर्णन शैली में लिखा है।
2) पाठ में मिश्रित शब्दों का प्रयोग किया गया है।
3) कहीं कहीं अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग भी है।
4) इसकी भाषा सरल एवं प्रभावशाली है।
5) इसमें मुहावरों का प्रयोग भी है।

Scanned by CamScanner

12. किसके प्रहारों से मंगर नहीं बच सका।
अम

13. मंगर के शरीर में कौन सा दर्द उठा?
अधकपारी

14. मंगर सकोलिया ने कौन सा लेप मंगर के माथे और आँखो में लगाया।
बकरी का दूध और शरवीनी

15. अंत में मंगर को कौन सा रोग हो गया।
अर्धांग

लेखक परिचय

1902 में लेखक रामवृक्ष का जन्म बेनीपुर गाँव में हुआ। इन्होंने आजादी आंदोलन में भाग लिया था। और किशोर अवस्था में ही पत्रिकाओं में लिखना आरम्भ कर दीया था। बालक, किसान मित्र, तरुण भारत आदि पत्रिकाओं का सम्पादन भी किया। 1968 इनकी मृत्यु हो गई।

Scanned by CamScanner

2

108 'अपना'
एम. जी. रोड,
हुबली (कर्नाटक)
10 जून 2000

बॉक्स संख्या 3??
द इंडियन एक्सप्रेस,
बेंगलुरु - 01

संदर्भ - आपका विज्ञापन दि. 20 मई 2000

विषय - आशुलिपिक पद के लिए आवेदन

महोदय,

आपके विज्ञापन के उत्तर में मैं अपना आवेदन पत्र भेज रही हूँ। मेरे संबंध में विवरण संलग्न हैं।

धन्यवाद,

भवदीय
यामिनी गुप्ता

संलग्न आवेदन पत्र

आशुलिपिक पद के लिए आवेदन पत्र

नाम	यामिनी गुप्ता
पता	108 'अपना' एम. जी. रोड, हुबली (कर्नाटक)
अवस्था	25 वर्ष
शिक्षा	1) बी. कॉम - द्वितीय श्रेणी 2) सीनियर टाइपराइटिंग 3) आशुलिपि में गति

उन्हें परेशान नहीं करना चाहता था। इसलिए उन्हें जाने से नहीं रोका।

(मध्य)

पड़ोसियों को खबर मिलते ही मिसेज सहाय को देखने आते रहे और भरोसा दिलाते रहे कि जरूरत पड़ने पर वह उनके काम आएंगे परंतु अवसर आने पर वह भी किनारा करके चले जाते हैं। कई दिनों के बाद विस्मय और इसकी पत्नी डाली माँ से मिलने आते हैं। परंतु व्यस्त होने के कारण आठ घंटे में उन्हें जाना होता है। यही कारण है कि विस्मय अपनी माता का हाल नटशैल में जानना चाहता है। पिता का दर्द जानने और समझने का उसके पास समय नहीं है। कोमा में होने के कारण माँ को होश कब आएगा यह कोई नहीं जानता। इसलिए डाली भी बच्चों के स्कूल का बहाना बनाकर पति के साथ आने की इच्छा जाहिर करती है। पोते प्रतीक और स्वागत दादी को गेट वेल का कार्ड भेजकर अपने माता पिता के साथ वापस लौट जाते हैं।

(अंत)

बेहोशी में पत्नि बार-बार बेटे का नाम पुकारती है। तब दुखी होकर नरोत्तम जी कहते हैं कि तुम्हारे बच्चे अब इतने बड़े और व्यस्त हो चुके हैं कि उनके पास अपनी बीमार माता के लिए समय ही नहीं है। वे कामना करते हैं कि पत्नि जल्दी ठिक हो जाए क्योंकि उनके अलावा नरोत्तम सहाय जी का कोई नहीं है।

Scanned by CamScanner

अलावा उसने छोटे-मोटे काम भी करना आरम्भ किया। उसका शरीर बेहद कमज़ोर हो गया। उम्र के इस पड़ाव पर पति की समझदारी ने कुछ सहायता की और जैसे तैसे जीवन करने लगा।

(उत्तर)

मंगर के जीवन पर एक और संकट अंधकपारी के रूप में सामने आया। उसकी सहायता के लिए बकरी का दूध और दालचीनी का लेप जब भकोलिया ने लगाया और मंगर के ही कहने पर उसे आँख पर भी मल दिया तो जलन से उसकी एक आँख भी चली गई। लेखक को याद है कि इस घटना से पहले मिला था तो मंगर कितना रोया था। ऐसा शायद लेखक ने उसे कभी न देखा था। फिर थोड़े महीनों बाद डाबीरा रोग के कारण मंगर को खड़ी होने की कोशिश में कई बार लेखक ने गिरते हुए देखा था। यानी अन्तिम दौर में भी हर तरह से टूटा हुआ मंगर अपनी इच्छा शक्ति को तोड़ नहीं पाया था और जीवन से लड़ने का उसका स्वभाव उसके साहस को तोड़ नहीं पाया था

विशेषताएँ

मंगर पाठ को संस्मरण शैली में लिखा गया है।

1) इसकी भाषा सरल और प्रभावशाली है।

2) मंगर के व्यक्तित्व को रेखाचित्र की तरह

3) उभारा गया है।

संस्मरण के संवाद पात्रों के अनुसार है।

4) इसमें कहीं कहीं मुहावरों का प्रयोग है।

5) इस पाठ में लगभग तत्सम शब्दों का प्रयोग किया गया है।

Scanned by CamScanner

मिर्जापुर कारपेट कार्पोरेशन
(कालीनों के निर्माता व विक्रेता)

पत्र क्रमांक - 208/म/18

108, एम. जी. रोड
पुना (महा.)
20 जून 2000

प्रबंधक,
बेंगलूर कारपेट पैलेस
एवेन्यू रोड
बेंगलुरु - 57

महोदय,

आपको यह प्रस्ताव भेजते हुए हमें प्रसन्नता है कि आप इससे लाभ उठाएंगे।

1) 500 दरियाँ, माप 4x2 मी., दर 850 रु प्रति वर्ग मी.
2) 150 कालीन, माप 5x3 मी., दर 150 रु प्रति वर्ग मी.
3) 60 कश्मीरी कालीन, माप 5x4.5 मी. दर 2000 प्रति वर्ग मी.

यह सुविधा केवल 20 जुलाई 2000 तक मिलने वाले आदेशों पर ही लागू होगी।

एक साथ 50 लाख रु का सामान खरीदने पर 25% विशेष छूट भी दी जायेगी।

Scanned by CamScanner

मूल्यसूची मँगवाने हेतु

विज्ञापन
(श्रेष्ठ साहित्य के प्रकाशक / विक्रेता)

पत्र क्रमांक 17/ग/02 सा

एम.जी. रोड
108, पूना (महा.)
10 जून 20..

साहित्य प्रबंधक,
साहित्य भवन
आगरा, (उ.प्र.)

महोदय,

अपने प्रकाशनों की नवीनतम मूल्यसूची पत्र भिजवाने का कष्ट करें। साथ ही आपकी व्यावसायिक शर्तें भी लिखें। यदि आपकी शर्तें आकर्षक और संतोषजनक रहीं तो हम आपको बड़ा आदेश भेजेंगे/ ~~[illegible]~~।

धन्यवाद,

भवदीय,
रोहित

कई लोग समूह में निन्दा करते हैं। जो मेंढक के समान संगठित रहते हैं। इनका नेता सामान्य शब्दों को उछाला लगाकर मुफ्त में बाटता है।

कभी - कभी लोग ईर्ष्या - द्वेष के कारण दूसरों की निन्दा करते हैं। इनकी दशा दयनीय होती है। क्योंकि वह दूसरों की तरक्की देखकर खुद ही अपने आप को हीन मानने लगते हैं। और मन ही मन दिन रात घुटन महसूस करते हैं। यह स्वयं अपने लिए ही दण्ड बन जाते हैं।

लेखक का मानना है की निन्दा का जन्म कमजोरी और हीनता से होता है। साथ ही जैसे - जैसे मनुष्य काम कम करता है। वैसे - वैसे उसकी बुराई करने की आदत बढ़ती जाती है।

(5) अंत

कुछ लोगों के लिए निन्दा पूँजी के बराबर होती है। और इसे ही वह ~~अब~~ अपना सबसे बड़ा आदर्श मानते हैं। दूसरों की कलंक कथा सुनाकर वह अपने आप को संत समझते हैं। लेखक का मानना है कि निन्दा शब्द सबसे मीठे होते हैं, परन्तु इन शब्दों को यदि सकारात्मक रूप से लिया जाए तो ये किसी के व्यक्तित्व को सँवार सकते हैं।

विशेषताएँ

Scanned by CamScanner

एक व्यापारी अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए सामान मंगवाने की माँग करता है इसे जिस पत्र के द्वारा बताया जाता है उन्हें आदेश पत्र कहते हैं। इन पत्रों में सबसे महत्त्वपूर्ण शर्तें अवधि होती है। जिसका ध्यान रखा जाना चाहिए।

आदेश देते समय कुछ बाते स्पष्ट हो जानी चाहिए जैसे सामान भेजने का साधन, संवेष्ठन, संख्या, तोल तथा मूल्य, मूल्य भुगतान की विधि विधि।

ग्रंथायन
(पुस्तकों के प्रकाशक व विक्रेता)

पत्र क्रमांक - २०८/स/१८

१०८, एम जी-रोड
पुना (महाराष्ट्र)
२० जून २०००

प्रबंधक,
राजकमल प्रकाशन लि.
नेताजी मार्ग
नई दिल्ली - ०२

महोदय,

कृपया निम्नलिखित पुस्तकें सवारी गाड़ी में (रेलवे के दायित्व) पर २० जुलाई तक भेज दीजिए। और रेलवे की रसीद बैंक ऑफ इंडिया ~~शाखा~~ शाखा द्वारा भेजवा दीजिए।

(1) परंपरा की खोज - 1000 प्रतियाँ
(2) कौटिल्य का अर्थशास्त्र - 2000 प्रतियाँ
(3) प्रतिमान - 500 प्रतियाँ

इन पुस्तकों को निश्चित समय अवधि में भेज दीजिए

Scanned by CamScanner

2) बैलों और दीवारें
3) माटी की मूरतें
4) गेंहू और गुलाब

सारांश

अपने गाँव के हलवाहों में से मंगर नाम के हलवाहे का लेखक ने वर्णन किया है। शारीरिक रूप से आकर्षक और स्वभाव से मेहनती और ईमानदार मंगर का जोड़ीदार गाँव में ही नहीं बल्कि दूर दूर तक कोई नहीं था। गरीब होने के बाद भी मंगर में स्वाभिमान की कमी नहीं थी। बुजुर्गों का वह आदर करता था। परंतु किसी के अपमान को कभी सहन नहीं करता था। खेतों में काम कर रहे मंगर की देखरेख कभी नहीं करनी पड़ती थी। यही कारण था की वह अन्य हलवाहों से अधिक प्रभावशाली था।

महत्व

बैलों को महादेव का रूप मानने वाला मंगर हमेशा उनकी देखरेख सही ढंग से करता था। कीमती कपड़े मंगर की पसंद कभी भी नहीं थे। कई बार जब पगड़ी धोती उसे मिलती थी उनको वह सिर पर बांधे रहता था। और लेखक की शादी में सिलवाया नया कुर्ता केवल उनके ससुराल जाते समय पहना करता था। मंगर का शारीरिक व्यक्तित्व लेखक को मि. मूलर की आकृति का स्मरण दिलाता था।

परंतु बढ़ती उम्र के प्रभाव ने मंगर पर हर प्रकार से प्रहार करना शुरू किए। पहले धीरे-धीरे शरीर कमजोर हुआ तो हल चलाने के

Scanned by CamScanner

11. नरोत्तम जी कहा रहते है?
गाज़ियाबाद

12. विस्मय की उम्र क्या है।
80 साल

13. नरोत्तम जी के पोते का नाम क्या है,
प्रभात, प्रतीक

14. नरोत्तम जी को दीवार में क्या आने का डर था?
कीड़ा

15. मंगलवार को माँ ने क्या बनाए थे?
बेसन के लड्डू

16. डाली को अगले दिन कहां जाना था।
बच्चों के स्कूल

17. विस्मय माँ का हाल कैसे जानना चाहता था
नरशील

18. नरोत्तम के डॉ. कौन है?
डॉ. तुली

19. सेना कहानी कौन से पुस्तक से ली गई है?
बोलनेवाली औरत

महोदय,

उक्त विज्ञापन के संदर्भ में मैं अपना आवेदन पत्र आपकी सेवा में भेज रहा हूँ। मेरी योग्यता और अनुभव निम्नलिखित है।

(1) **शिक्षा**

(क) एम. ए. (हिन्दी) प्रथम श्रेणी - बनारस विश्वविद्यालय

(ख) साहित्य रत्न (अर्थशास्त्र) . द्वितीय श्रेणी
हिन्दी साहित्य सम्मेलन

(2) **अनुभव**

(क) उपसंपादक - प्रेम प्रकाशन, मुंबई - 2 वर्ष

(ख) प्रकाशन अधिकारी - विवेक प्रकाशन, सूरत - 5 वर्ष।

(3) **प्रकाशन**

पाँच उपन्यास, दो समालोचना ग्रंथ

विश्वास है मेरे आवेदन पर आप

Scanned by CamScanner

विशेषताएँ

1) इस पाठ को नाटकशैली में लिखा गया है।
2) इसकी भाषा सरल और प्रभावशाली है।
3) नाटक का कथानक 'जीवन अनमोल है' पर आधारित है।
4) इसके संवाद कहीं-कहीं हास्य पैदा करते हैं।
5) सभी पात्रों के विशेष नाम नहीं दिए गए हैं।
6) लगभग तत्सम शब्दों का प्रयोग है।
7) इसमें मुहावरों का प्रयोग भी मिलता है।

Scanned by CamScanner

(1) निंदा रस - तिरछी रेखाएँ
- हरिशंकर परसाई

1. निंदा रस के लेखक कौन है?
हरिशंकर परसाई

2. निंदा रस पाठ किस पुस्तक से लिया गया है।
तिरछी रेखाएँ

3. 'क' कि तुलना किससे कि गई है।
धृतराष्ट्र

4. मिलने से भेंटते समय क्या अर्पण कर दिया?
पुतला

5. क लेखक की निंदा किससे कर रहा था
'ग' से

6. 'क' के पास किसका 'केरलाना' है
दोनों का

7. लेखक ने निंदकों कि तुलना किससे कि है।
राम भक्तों से

8. निन्दा का उद्गम क्या है।
हीनता और कमजोरी

9. लेखक को किसकी याद आई
चेखव

10. निंदा में क्या है
रस

Scanned by CamScanner

20 जून 2000

प्रबंधक,

आर. बी. कालेज

बैंगलुरु - 31

महोदय,

हमें मालूम हुआ है कि कालेज विस्तार योजना के तहत आप कई नए कमरो का निर्माण करा रहे हैं। इन कमरों में बिजली के पंखों की आवश्यकता होगी। हमें सूचित करते हुए प्रसन्नता है कि बाजाज कम्पनी के दो नए पंखो कल ही हमे मिले हैं। इनकी माप 48 इंच से 56 इंच है। हम आपसे इनका मूल्य 650रु या 700रु प्रति पंखा ले सकते हैं, आप हमारे पुराने ग्राहक हैं इसलिए यह प्रस्ताव केवल आप के लिए ही है।

आप चाहेंगे तो हम एक पंखा नमुने के तौर पर आप तक भिजवा सकते हैं। विश्वास है आपका आदेश हमें प्राप्त होगा।

सधन्यवाद

भवदीय

कमल

Scanned by CamScanner

1) शीट नं दस
2) एक अदद औरत
3) जाँच अभी भी जारी है।
4) बोलने वाली औरत

<u>सारांश</u> (आरंभ)

पिछले कुछ दिनों से नरोत्तम सहाय जी अस्पताल में अपनी पत्नि के उपचार के सिलसिले में रही रहते हैं। ~~क्योंकि~~ पत्नी बेहोश है और नरोत्तम जी दुखी हैं। इतनी उदासी और निराशा उन्होंने कभी भी अनुभव नहीं की चाहे उनका रिटायरमेन्ट हो या बेटियों की शादी या फिर बेटे विस्मय का

लगाना पड़े। ड्राईवर कार मनोहरा से बात करने के कारण कार रुक जाती है तो उस कस्बे के गैराज में ले जाकर उसे ठीक करवाया जाता है।

मध्य

जैसे तैसे गैराज से निकल कर कार रेलवे फाटक पर रुक जाती है। पुरुष बहुत नाराज होते हैं। तभी किसी से बात करते समय पुरुष को मालूम होता है कि यह एक कुत्ता रेलवे फाटक पर रहता है। जो रेल के आने के पहले ही जान लेता है कि रेल का समय हो गया। और जोर से भौंकने लगता है। पुरुष को इस बात पर विश्वास नहीं होता। वह इसे केवल इत्तेफाक मानता है। परंतु जब उसके भौंकने पर रेल की सीटी सुनाई देती है। तो वह चुप हो जाता है। किसी तरह टिकट लेकर वह स्टेशन पहुंचते हैं तो रास्ते में उनकी मुलाकात नारायण जी से होती है। जो अपने बेटे जीतु को स्टेशन पर लेने आए हैं।

अंत

कुछ समय बाद जीतु आता है जो बताता है कि कालका मेल को सुनार बस्ती के फाटक पर रोक दिया गया है। क्योंकि उसके ड्राईवर ने मोती नाम के कुत्ते को पटरी पर देखने के बाद भी रेल नहीं रोकी और कुचल दिया। गुस्से में लोगों ने ड्राइवर को उतार कर घेर लिया। इसलिए आने वाली सभी रेल भी रोक दी गई हैं। उसका मानना है कि मनुष्य का हो या जानवर का जीवन अनमोल है। और ड्राइवर की सोच जीवन की

शाखाएँ

(क) आरम्भ

लेखक का एक मित्र 'क' कई महीनो बाद अपने मित्रों से मिलने आया। सबसे पहले 'ग' से मिला और मिलकर लेखक कि जमकर निन्दा कि। यह बात 'ग' लेखक को पहले ही बता चुका था। इसलिए लेखक मन ही मन नफरत की आग से जल रहे थे। अगली सुबह जब लेखक 'क' से मिले तब उनका व्यवहार ऊपर से बनावटी और अंदर से भयंकर घृणा से भरा हुआ था। परंतु धीरे-धीरे उसने अपने मधुर व्यवहार से लेखक को यह विश्वास दिला दिया कि वह उसका सबसे अच्छा मित्र है। ~~अवसर देखकर~~

अवसर देखकर लेखक ने यह जान लिया कि इसके पास दोषों का 'केटलाग' है। यह जिसका चाहे उसके चरित्र की हत्या कर सकता है। परंतु यह साहस लेखक नहीं जुटा पाते। इसलिए 'क' के साथ बैठकर उसी के रंग में रंगकर अपने विरोधियों के नाम ले कर वह 'क' से बुराई करने लगे। और ऐसा करते समय लेखक को भी असीम आनंद की अनुभूति हुई।

(ख) मध्य

निन्दकों की तुलना लेखक रामभक्तों से करते है। क्योंकि उन जैसा समर्पण, लगन और तन्मयता निन्दकों में पाई जाती है। कुछ निन्दक मिशनरी होते हैं। जो समय आने पर अपने सबकी बेइज्जती करने में पीछे नहीं हटते। इन्हीं के लिए निन्दा टॉनिक होती है।

Scanned by CamScanner

संचालक,
अशोक मिल्स लि.
अहमदाबाद (गुजरात)

महोदय,

Scanned by CamScanner

अनुभव	भारत कोडम लिमिटेड में 3 वर्ष
वर्तमान वेतन	12000 प्रति मास
वर्तमान पद छोड़ने का कारण	अल्पवेतन
अन्य	परिश्रमी, उत्तम स्वास्थ्य

हस्ताक्षर आवेदक
रश्मि गुप्ता

पूछताछ पत्र

व्यापारी जब कोई वस्तु खरीदना चाहता है। तब वो सोचता है कि उत्तम और अच्छा सामान कम दाम और सरल शर्तों पर कहा मिल सकता है। यह जानने के लिए वह अनेक प्रतिष्ठानों को पत्र लिखकर मूल्य सूची नमूने तथा शर्तों के लिए पत्र लिखता है। इन्हें ही पूछताछ पत्र कहा जाता है।

पूछताछ पत्र के विषय इस प्रकार होते हैं:

1) मूल्य सूची संबंधी
2) नमूने संबंधी
3) व्यापारिक शर्तें तथा सुविधाएँ संबंधीत

Scanned by CamScanner

डा० विपिन कुमार अग्रवाल का जन्म उ० प्र० में हुआ। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भौतिक विभाग के अध्यक्ष रहे हैं। हिन्दी के प्रति रुचि होने के कारण इन्होंने कुछ नाटकों की रचना की। तथा आज भी साहित्य की सेवा कर रहे हैं।

रचनाएं

1) मौत एक कुत्ते की
2) रेल कब आएगी
3) तीन अपाहिज
4) अपने देश में

अंधा गम (द्वारा—)

इस नाटक की कहानी एक परिवार की है जो रिश्तेदार की विवाह में आगरा जा रहे हैं। पुरुष अपनी पत्नि और बेटी गप्पू को लेकर जाना चाहते हैं। इसलिए गाड़ी में बेटे और पत्नि को सामान सहित बुलाते हैं। बहुत भारी सामान के साथ जाने पड़ोसी के बहुत बड़े बक्स को भी साथ ले जाने को तैयार है। क्योंकि उसे पड़ोसी धर्म निभाना है। दूधवाले से नोक झोक के बाद परिवार के सदस्य रामकृपाल और सामान के साथ चढ़ तो जाते हैं लेकिन कार चल नहीं पाती। किसी तरह बैटरी को चालू करके आगे बढ़ाया जाता है तो सड़क में भीड़ होने के कारण गति को बार-बार कम करना पड़ता है। पुरुष को डर है कि गति कम हो जाने से रुक न जाए। और धक्का न

10. हिमालय के सबसे बड़ी तीसरी चोटी का नाम क्या है?
कंचनजंगा

11. कुसकांग शब्द का अर्थ क्या है?
सारेया

12. लेखिका के गाइड का नाम क्या है।
जितेन नार्गे

13. गाइड जितेन की शुटिंग कहाँ हुई थी।
कवी लोंग स्टॉक

14. कौन से चक्र को घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं।
धर्म चक्र

15. इस शहर में कौन सी नदी बहती है।
तिस्ता नदी

16. लेखिका की सहयात्री कौन है।
मणि

17. सिक्किम का परिधान क्या है?
बोकु

Scanned by CamScanner

५ मंगर का पेशा क्या है?
हल चलाना

६ मंगर किसे ज्यादा चाहता है।
बैलों को

मंगर हलवाहा नहीं आता है। ... कहता था

Scanned by CamScanner

10. काठ की हाँडी कितनी बार चढ़ सकती है
एक

11. कौन सी बिमारी के विज्ञापन अखबार में भरे रहते हैं।
पेट की बीमारी

12. कौन सा शल्य क्रिया के बिना दूर करने का वादा किया जाता है?
मोतिया बिंद

13. आजकल किसका युग है?
विज्ञापन

14. कौन से तेल के प्रचार के लिए बंगाल में उपन्यास निकाला गया था।
केशरंजन तेल

15. हिन्दुस्तान टाइम्स में किसका विज्ञापन छपा था?
जी. जी. फ्रूट

16. कौन सी कंपनी अपने गोल डिब्बों की प्रशंसा करती थी?
ब्रुक बॉण्ड

17. स्वदेशी पेय किसे कहा जाता था?
चाय

18. चाय किस राजा के समय में पायी जाती थी।
अशोक

Scanned by CamScanner